उत्तर बंग विश्वविद्यालय

एम. ए. हिंदी पाठ्यक्रम

वर्ष 2022 से प्रारम्भ

कुल सेमेस्टर - 04 कुल पत्र - 21
कुल अंक - 1600 कुल क्रेडिट- 64

सेमेस्टर -1

कोर्स कोड	पत्र	अंक	क्रेडिट
CC-1	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)	100	4
CC-2	हिंदी भाषा का विकास	100	4
CC-3	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	100	4
DSE-1(A) DSE-1(B)	स्त्री विमर्श और हिंदी साहित्य दलित विमर्श और हिंदी साहित्य	50	2
AEC		50	2

विद्यार्थी DSE-1(A) और DSE-1(B) में से किसी **एक** विकल्प का चयन करेंगे।

सेमेस्टर-2

कोर्स कोड	पत्र	अंक	क्रेडिट
CC-4	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	100	4
CC-5	उपन्यास और कहानी	100	4
CC-6	नाटक और निबंध	100	4
DSE-2(A) DSE-2(B)	सर्जनात्मक लेखन रचनात्मक लेखन	50	2
SEC		50	2

विद्यार्थी DSE-2(A) और DSE-2(B) में से किसी **एक** विकल्प का चयन करेंगे।

सेमेस्टर -3

कोर्स कोड	पत्र	अंक	क्रेडिट
CC-7	भाषा विज्ञान	100	4
GE-1(A) GE-1(B)	प्रयोजनमूलक हिंदी साहित्य और सिनेमा	100	4
DSE-3(A) DSE-3(B) DSE-3(C) DSE-3(D) DSE-3(E) DSE-3(F)	हिंदी पत्रकारिता प्रेमचंद संपादन- प्रक्रिया छायावादोत्तर काव्य हिंदी आलोचना हिंदी गद्य की विविध विधाएं	50x3=150	2x3=6
AEC		50	2

विद्यार्थी DSE-3(A), DSE-3(B), DSE- 3(C), DSE-3(D), DSE- 3(E) और DSE- 3(F) में से किन्हीं **तीन** विकल्पों का चयन करेंगे।
विद्यार्थी GE-1(A) और GE-1(B) में से किसी **एक** विकल्प का चयन करेंगे।

सेमेस्टर - 4

कोर्स कोड	पत्र	अंक	क्रेडिट
CC-8	आधुनिक काव्य	100	4
CC-9	काव्यशास्त्र	100	4
GE-2(A) GE-2(B)	अनुवाद-विज्ञान भारतीय साहित्य	100	4
DSE-4(A) DSE-4(B)	आदिवासी विमर्श और हिंदी साहित्य तुलनात्मक साहित्य	50	2
SEC		50	2

विद्यार्थी DSE-4(A) और DSE-4(B) में से किसी **एक** विकल्प का चयन करेंगे।
विद्यार्थी GE-2(A) और GE-2(B) में से किसी **एक** विकल्प का चयन करेंगे।
प्रति क्रेडिट - 25 अंक

अंक विभाजन –

1)100 अंक के पत्र के लिए: 4 आलोचनात्मक प्रश्न-15x4=60, 2 लघूत्तरी/व्याख्या प्रश्न -7½ x 2=15, ट्यूटोरियल/मौखिकी/सेमिनार/लघु शोध योजना-25
2) 50 अंक के पत्र के लिए: 2 आलोचनात्मक प्रश्न-15x2=30, 2 लघूत्तरी/व्याख्या प्रश्न -6x2=12, ट्यूटोरियल/मौखिकी-8

- **The Department of Hindi, NBU, will provide two additional seats for the students from other departments for GE Courses**.

सेमेस्टर -1

कोर्स कोड: CC-1 **हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)** पूर्णांक-100

क्रेडिट /इकाई -1: इतिहास दर्शन, हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ, काल विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण।

क्रेडिट /इकाई -2: आदिकाल की पृष्ठभूमि,ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ,गद्य-साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार।

क्रेडिट /इकाई -3:मध्यकाल (भक्तिकाल एवं रीतिकाल)- ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना।
भक्ति आन्दोलन की विभिन्न काव्यधाराएँ- संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य-विशेषताएं और प्रमुख कवि।
रीतिकालीन काव्य की विविध धाराएँ – विशेषताएँ और प्रमुख कवि।

क्रेडिट /इकाई -4: ट्यूटोरियल 25-अंक

कोर्स कोड : CC-2 **हिंदी भाषा का विकास** पूर्णांक -100

क्रेडिट /इकाई -1:हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ- वैदिक और लौकिक संस्कृत।
मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ - पाली, प्राकृत, अपभ्रंश और पुरानी हिंदी - सामान्य परिचय।

क्रेडिट /इकाई -2:हिंदी का भौगोलिक विस्तार, हिंदी का ऐतिहासिक विकास और उसकी बोलियाँ, काव्यभाषा के रूप में ब्रज एवं अवधी।

क्रेडिट /इकाई -3: खड़ी बोली हिंदी का उद्भव और विकास, दक्खिनी हिन्दी, ईस्ट इंडिया कंपनी की भाषा नीति, शिवप्रसाद सितारेहिंद, लक्ष्मण सिंह और भारतेंदु की भाषा–दृष्टि।

क्रेडिट /इकाई -4: ट्यूटोरियल 25-अंक

कोर्स कोड : CC-3 **प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य** पूर्णांक -100

क्रेडिट /इकाई -1: विद्यापति– विद्यापति पदावली– रामवृक्ष बेनीपुरी (सं)
पद संख्या-1,2,3,4,35,36,110,114,176,188
कबीरदास- कबीर ग्रंथावली– श्यामसुंदर दास (सं)
पद-संख्या 1,2,3,16,24
साखी –
गुरुदेव को अंग -1,3,4
विरह को अंग -2-6

क्रेडिट /इकाई -2: जायसी– पद्मावत - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (सं)
नागमती वियोग–वर्णन खंड
सूरदास – भ्रमरगीत सार - आचार्य रामचंद्र शुक्ल (सं)
पद संख्या – 31-40

क्रेडिट /इकाई -3: तुलसीदास– विनय पत्रिका, गीता प्रेस, गोरखपुर।
पद संख्या- 66,79,88,90,91,101,105,162,172,174
घनानंद – घनानंद कवित्त - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (सं)
पद संख्या -1 से 10

क्रेडिट /इकाई -4: ट्यूटोरियल 25-अंक

कोर्स कोड: DSE-1(A) **स्त्री विमर्श और हिंदी साहित्य** पूर्णांक-50

क्रेडिट /इकाई 1- स्त्री विमर्श : अवधारणा और स्वरूप।

क्रेडिट /इकाई 2- स्त्री विमर्श और हिंदी साहित्य की प्रमुख विधाएँ : कविता, कहानी, उपन्यास।

ट्यूटोरियल 8-अंक

कोर्स कोड: DSE-1(B) **दलित विमर्श और हिंदी साहित्य** पूर्णांक-50

क्रेडिट /इकाई1. दलित विमर्श :अवधारणा और स्वरूप।
क्रेडिट /इकाई2: दलित विमर्श और हिंदी साहित्य की प्रमुख विधाएँ : कविता और आत्मकथा।
ट्यूटोरियल 8-अंक

सेमेस्टर - 2

कोर्स कोड: CC-4 **हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)** पूर्णांक-100

क्रेडिट/इकाई -1: आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। सन् 1857 की क्रांति और पुनर्जागरण।

क्रेडिट/इकाई -2: आधुनिक हिंदी कविता का विकास : नवजागरणकालीन कविता, छायावादी कविता, प्रगतिवादी कविता- विशेषता एवं प्रमुख कवि।

क्रेडिट/इकाई -3: आधुनिक हिंदी कविता का विकास :प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता –विशेषता एवं प्रमुख कवि।

क्रेडिट /इकाई -4: लघु शोध योजना 25-अंक

कोर्स कोड: CC-5 **उपन्यास और कहानी** पूर्णांक -100

क्रेडिट/इकाई -1: गोदान : प्रेमचंद
क्रेडिट/इकाई -2: बाणभट्ट की आत्मकथा : हजारी प्रसाद द्विवेदी
क्रेडिट/इकाई -3: कहानियाँ :
कफ़न – प्रेमचंद
पत्नी – जैनेन्द्र
घंटा- ज्ञानरंजन
सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती
पॉल गोमरा का स्कूटर – उदय प्रकाश
क्रेडिट/इकाई-4: लघु शोध योजना 25-अंक

कोर्स कोड: CC- 6 **नाटक और निबंध** पूर्णांक -100
क्रेडिट/इकाई -1: स्कंदगुप्त – जयशंकर प्रसाद
क्रेडिट/इकाई -2:अंधायुग – धर्मवीर भारती
क्रेडिट/इकाई -3: निबंध-
भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है ?: भारतेंदु हरिश्चंद्र
साहित्य : महावीर प्रसाद द्विवेदी
कविता क्या है ? रामचंद्र शुक्ल
कुटज : हजारी प्रसाद द्विवेदी
मेरे राम का मुकुट भीग रहा है : विद्यानिवास मिश्र
क्रेडिट/इकाई -4: लघु शोध योजना 25-अंक

कोर्स कोड: DSE-2(A) **सर्जनात्मक लेखन** पूर्णांक -50

क्रेडिट/इकाई -1.रिपोर्ताज: अर्थ,स्वरूप। रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप। रिपोर्ताज और फीचर लेखन-प्रविधि।
क्रेडिट /इकाई-2. साक्षात्कार (इंटरव्यू/ भेंटवार्ता): उद्देश्य, प्रकार, महत्त्व, प्रविधि।
समीक्षा: फिल्म-समीक्षा, पुस्तक-समीक्षा।

ट्यूटोरियल 8-अंक

कोर्स कोड : DSE-2(B). **रचनात्मक लेखन** पूर्णांक -50

क्रेडिट//इकाई 1. रचनात्मक लेखन के विविध रूप : मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य।
क्रेडिट/इकाई 2.रचनात्मक लेखन : रचना–कौशल का विश्लेषण।
रचना-सौष्ठव : शब्द -शक्ति, प्रतीक, बिंब, अलंकरण और वक्रताएं, छंद, मिथक, कहावतें, मुहावरे, लोकोक्तियाँ।

ट्यूटोरियल 8 अंक

सेमेस्टर - 3

कोर्स कोड: CC-7 **भाषा विज्ञान** पूर्णांक-100

क्रेडिट/इकाई:1- भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा और बोली, वाक्। भाषा परिवर्तन के कारण।
क्रेडिट/इकाई:2-स्वन: अवधारणा और वर्गीकरण,स्वन परिवर्तन। स्वनिम: अवधारणा और भेद।
क्रेडिट/इकाई:3-रूपिम: अवधारणा और भेद, शब्द और अर्थ, अर्थ-परिवर्तन।

क्रेडिट/इकाई:4-सेमिनार 25-अंक

कोर्स कोड: DSE-3(A) **हिंदी पत्रकारिता** पूर्णांक -50

क्रेडिट /इकाई:1. हिंदी पत्रकारिता के विविध चरणों का प्रवृत्तिमूलक अध्ययन। लघु पत्रिका आन्दोलन, पीत पत्रकारिता।

क्रेडिट /इकाई:2. समाचार मूल्य, समाचार संकलन और विभिन्न स्रोत, समाचार-लेखन, संवाददाता की योग्यता और दायित्व।

जनतांत्रिक व्यवस्था में चौथे खंभे के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

मौखिकी 8-अंक

कोर्स कोड: DSE- 3(B) **प्रेमचंद** पूर्णांक-50

क्रेडिट /इकाई1.उपन्यास: कर्मभूमि। कहानियाँ: मुक्तिमार्ग, पूस की रात।
क्रेडिट /इकाई 2. निबंध : महाजनी सभ्यता, साहित्य का उद्देश्य।
मौखिकी 8-अंक

कोर्स कोड: DSE- 3(C) **संपादन-प्रक्रिया** पूर्णांक-50

क्रेडिट /इकाई:1. संपादन कला, संपादक का उत्तरदायित्व, शीर्षकीकरण, आमुख, संपादन चिह्न।

क्रेडिट /इकाई: 2. प्रेस संबंधी प्रमुख कानून, आचार संहिता, प्रसार भारती, न्यूज़ एजेंसी, डिजिटल युग में पत्रकारिता।

मौखिकी 8-अंक

कोर्स कोड: DSE- 3(D) **छायावादोत्तर काव्य** पूर्णांक-50

क्रेडिट /इकाई:1. नागार्जुन – बादल को घिरते देखा है, प्रेत का बयान, बहुत दिनों के बाद।

शमशेर – एक पीली शाम, बात बोलेगी, उषा।

क्रेडिट /इकाई: 2. रघुवीर सहाय – रामदास, पढ़िए गीता, हँसो-हँसो जल्दी हँसो।

सर्वेश्वरदयाल सक्सेना –भेड़िया-1, जंगल का दर्द, तुम्हारे साथ रहकर

मौखिकी 8-अंक

कोर्स कोड: DSE-3(E) **हिंदी आलोचना** पूर्णांक-50

क्रेडिट /इकाई1. हिंदी आलोचना का विकास।

क्रेडिट /इकाई.2. आलोचना दृष्टि : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह।

मौखिकी 8-अंक

कोर्स कोड: DSE-3(F) **हिंदी गद्य की विविध विधाएँ** पूर्णांक -50

क्रेडिट /इकाई.1 स्मृति की रेखाएँ (रेखाचित्र) – महादेवी वर्मा।

क्रेडिट /इकाई.2. एक साहित्यिक की डायरी (डायरी) – मुक्तिबोध।

मौखिकी 8-अंक

कोर्स कोड: GE-1(A) **प्रयोजनमूलक हिंदी** पूर्णांक -100

क्रेडिट/इकाई.1 हिंदी के विभिन्न रूप : राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, बोली और मानक भाषा। नागरी लिपि की

वैज्ञानिकता एवं उसका मानकीकरण।

क्रेडिट/इकाई. 2. राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान: राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक),

राजभाषा अधिनियम – 1963 (यथासंशोधित 1967), राजभाषा संकल्प-1968 (यथा अनुमोदित1991),

राजभाषा अधिनियम – 1976.

क्रेडिट/इकाई.3. मीडिया लेखन, दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन, विज्ञापन।

क्रेडिट/इकाई.4 .सेमिनार 25-अंक

कोर्स कोड: GE- 1(B) **साहित्य और सिनेमा** पूर्णांक-100

क्रेडिट/इकाई.1. साहित्य और सिनेमा का अंतर्संबंध।

क्रेडिट/इकाई.2. साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्मों का समीक्षात्मक अध्ययन : तीसरी कसम, रजनीगंधा।

क्रेडिट/इकाई.3. पटकथा: अर्थ एवं आयाम। कथा एवं पटकथा का स्वरूप।

क्रेडिट/इकाई.4. सेमिनार 25-अंक

सेमेस्टर - 4

कोर्स कोड CC-8 **आधुनिक काव्य**

पूर्णांक-100

क्रेडिट/इकाई:1. मैथिलीशरण गुप्त - साकेत (नवम सर्ग)।
जयशंकर प्रसाद – कामायनी (श्रद्धा सर्ग)।
क्रेडिट/इकाई.2 . महादेवी वर्मा – वसंत रजनी, विरह का जलजात, तुम मुझमें प्रिय।
अज्ञेय :शब्द और सत्य, यह दीप अकेला, नदी के द्वीप।
क्रेडिट/इकाई .3.मुक्तिबोध - अँधेरे में।
केदारनाथ सिंह - सृष्टि पर पहरा, बाघ -1, उत्तर कबीर।
क्रेडिट/इकाई.4 मौखिकी 25-अंक

कोर्स कोड :CC-9 **काव्यशास्त्र** पूर्णांक -100

क्रेडिट/इकाई 1. भारतीय काव्यशास्त्र : काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार।
क्रेडिट/इकाई 2. रस-सिद्धांत, अलंकार- सिद्धांत, रीति सिद्धांत – मूल स्थापनाएँ और भेद।
वक्रोक्ति – सिद्धांत, ध्वनि - सिद्धांत, औचित्य – सिद्धांत – मूल स्थापनाएँ और भेद।
क्रेडिट/इकाई 3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र :
अरस्तू- त्रासदी-विवेचन।
लोंजाइनस-उदात्त की अवधारणा।
वर्ड्सवर्थ -काव्यभाषा का सिद्धांत।
कॉलरिज – कल्पना-सिद्धांत।
टी.एस.इलियट –निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत।
आई.ए.रिचर्ड्स – संप्रेषण-सिद्धांत।
क्रेडिट/इकाई.4 मौखिकी 25-अंक

कोर्स कोड: GE-2(A) **अनुवाद - विज्ञान** पूर्णांक -100

क्रेडिट/इकाई 1. अनुवाद : अर्थ, परिभाषा, अनुवाद की भूमिका, अनुवाद का महत्त्व।
क्रेडिट/इकाई 2 . अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि: अनुवाद के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा। अनुवाद-सिद्धांत : संकेतार्थ सिद्धांत, समतुल्यता का सिद्धांत।
क्रेडिट/इकाई 3. अनुवाद के क्षेत्र और समस्याएँ : कार्यालयी अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद। अनुवाद के उपकरण : कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कंप्यूटर।
क्रेडिट/इकाई.4 ट्यूटोरियल 25-अंक

कोर्स कोड : GE-2(B) **भारतीय साहित्य** पूर्णांक -100

क्रेडिट/इकाई: 1. भारतीय साहित्य: अवधारणा और स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीयता का समाजशास्त्र।
क्रेडिट/इकाई: 2. भारतीय साहित्यिक कृतियों का अध्ययन :
वर्षा की सुबह (ओड़िया) – सीताकांत महापात्र
घासीराम कोतवाल (मराठी) – विजय तेंदुलकर
क्रेडिट/इकाई:3. मृत्युंजय (असमिया) – बीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य
बीच का रास्ता नहीं होता (पंजाबी) – पाश
क्रेडिट/इकाई.4 ट्यूटोरियल 25-अंक

कोर्स कोड: DSC-4(A) **आदिवासी विमर्श और हिंदी साहित्य** पूर्णांक -50

क्रेडिट/इकाई:1. आदिवासी विमर्श: अवधारणा और स्वरूप।

क्रेडिट/इकाई :2. आदिवासी विमर्श और हिंदी साहित्य की प्रमुख विधाएं : कविता, कहानी।
ट्यूटोरियल अंक-8

कोर्स कोड : DSE-4(B) **तुलनात्मक साहित्य** पूर्णांक -50

क्रेडिट/इकाई:1. तुलनात्मक साहित्य का महत्त्व, उपयोगिता और सामान्य प्रविधि, तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।

क्रेडिट/इकाई:2. हिंदी एवं बांग्ला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : सेवासदन (प्रेमचंद) एवं श्रीकांत (शरतचंद्र) उपन्यासों के विशेष संदर्भ में।

ट्यूटोरियल अंक-8

OBJECTIVES OF COURSES:

SEMESTER-I		
Course Code	**Name of Course**	**Objectives**
CC-1	Hindi Sahitya Ka Itihas (Ritikaal Tak)	• To develop the concept of History of Hindi literature (from *Adikaal* to *Ritikaal)*. • To develop the knowledge of the traditions of Hindi literature (from *Adikaal* to *Ritikaal)* in the light of History. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the concept and different theories of History of Hindi literature. • To prepare the students for pursuing research or careers in History of Hindi literature and it's allied fields.
CC-2	Hindi Bhasha Ka Vikas	• To develop the concept of History of Hindi language. • To develop the knowledge of the History of Hindi language. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the concept and different theories of History of Hindi language. • To prepare the students for pursuing research or careers in History of Hindi language and it's allied fields.
CC-3	Prachin Evam Madhyakaaleen Kavya	• To develop the concept of ancient and medieval Hindi literature. • To develop the knowledge of the text of ancient and medieval Hindi literature. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the concept and different theories of ancient and medieval Hindi literature by text. • To prepare the students for pursuing research or careers in ancient and medieval Hindi literature and it's allied fields.
DSE-1(A)	Stri Vimarsh Aur Hindi Sahitya	• To develop the concept of feminism in Hindi literature. • To develop the knowledge of the feminism in Hindi literature. • To sensitize the students regarding gender equality and democratic values through discourse. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the concept and different theories of feminism in Hindi literature. • To prepare the students for pursuing research or careers in feminism in Hindi literature and it's allied fields.
DSE-1(B)	Dalit Vimarsh Aur Hindi Sahitya	• To develop the concept of Dalit discourse in Hindi literature. • To develop the knowledge of Dalit discourse in Hindi literature. • To sensitize the students regarding equality irrespective of caste and democratic values through discourse. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the concept and different theories of Dalit discourse in Hindi literature. • To prepare the students for pursuing research or careers in Dalit discourse in Hindi literature and it's allied fields.
AEC		

SEMESTER-II		
Course Code	**Name of Course**	**Objectives**
CC-4	Hindi Sahitya Ka Itihas (Aadhunik Kaal)	• To develop the concept of History of modern Hindi literature. • To develop the knowledge of the traditions of modern Hindi literature in the light of History. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the concept and different theories of History of modern Hindi literature. • To prepare the students for pursuing research or careers in History of Hindi literature and it's allied fields.
CC-5	Upanyas Aur Kahani	• To develop the concept of Hindi fiction and short stories. • To develop the knowledge of Hindi fiction and short stories through the text. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Hindi fiction and short stories. • To prepare the students for pursuing research or careers in Hindi fiction and short stories and it's allied fields.
CC-6	Naatak Aur Nibandh	• To develop the concept of Hindi plays and essays. • To develop the knowledge of Hindi plays and essays through the text. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Hindi plays and essays. • To prepare the students for pursuing research or careers in Hindi plays and essays and it's allied fields.
DSE-2(A)	Sarjanatmak Lekhan	• To develop the concept of creative writing in Hindi. • To develop the knowledge of creative writing in Hindi. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of creative writing in Hindi. • To prepare the students for pursuing research or careers in creative writing in Hindi and it's allied fields.
DSE-2(B)	Rachanatmak Lekhan	• To develop the concept of literary writing in Hindi. • To develop the knowledge of literary writing in Hindi. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of literary writing in Hindi. • To prepare the students for pursuing research or careers in literary writing in Hindi and it's allied fields.
SEC		

SEMESTER-III		
Course Code	**Name of Course**	**Objectives**
CC-7	Bhasha-Vigyan	• To develop the concept of linguistics in Hindi. • To develop the knowledge of linguistics in Hindi. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of linguistics in Hindi. • To prepare the students for pursuing research or careers in linguistics in Hindi and it's allied fields.
GE-1(A)	Prayojanmoolak Hindi	• To develop the concept of Official Language Hindi. • To develop the knowledge of Official Language Hindi. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Official Language Hindi. • To prepare the students for pursuing research or careers in Official Language Hindi and it's allied fields.
GE-1(B)	Sahitya Aur Cinema	• To develop the concept of relationship between Hindi Literature and Cinema. • To develop the knowledge of relationship between Hindi Literature and Cinema. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of relationship between Hindi Literature and Cinema. • To prepare the students for pursuing research or careers in relationship between Hindi Literature and Cinema and it's allied fields.
DSE-3(A)	Hindi Patrakarita	• To develop the concept of Journalism in Hindi. • To develop the knowledge of Journalism in Hindi. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Journalism in Hindi. • To prepare the students for pursuing research or careers in Journalism in Hindi and it's allied fields.
DSE-3(B)	Premchand	• To develop the concept of Premchand's literary writing. • To develop the knowledge of Premchand's literary writing through the text. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Premchand's literary writing. • To prepare the students for pursuing research or careers in Premchand's literary writing and it's allied fields.
DSE-3(C)	Sampadan-Prakriya	• To develop the concept of Editing . • To develop the knowledge of Editing Process in Hindi. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Editing Process in Hindi. • To prepare the students for pursuing research or careers in Editing Work in Hindi.
DSE-3(D)	Chhayavadottar Kavya	• To develop the concept of Period of Post Chhayavad Hindi poertry. • To develop the knowledge of Post Chhayavad Hindi poetry through the text. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Post

		Chhayavad Hindi poetry. • To prepare the students for pursuing research or careers in Post Chhayavad Hindi poetry.
DSE-3(E)	Hindi Aalochana	• To develop the concept of Hindi Criticism. • To develop the knowledge of Hindi Criticism. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Hindi Criticism. • To prepare the students for pursuing research or careers in Hindi Criticism and it's allied fields.
DSE-3(F)	Hindi Gadya Ki Vividh Vidhayen	• To develop the concept of different prose forms in Hindi literature. • To develop the knowledge of different prose forms in Hindi literature through the text. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of various prose forms in Hindi literature. • To prepare the students for pursuing research or careers in different prose forms in Hindi literature and it's allied fields.
AEC		

SEMESTER-IV		
Course Code	**Name of Course**	**Objectives**
CC-8	Aadhunik Kavya	• To develop the concept of Modern Hindi Poetry. • To develop the knowledge of Modern Hindi Poetry through the text. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Modern Hindi Poetry. • To prepare the students for pursuing research or careers in Modern Hindi Poetry.
CC-9	Kavyashastra	• To develop the concept of Indian and Western Poetics in Hindi. • To develop the knowledge of Indian and Western Poetics in Hindi. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Indian and Western Poetics in Hindi. • To prepare the students for pursuing research or careers in Indian and Western Poetics in Hindi and it's allied fields. • To enable and encourage the students to evaluate/review the literary writing in Hindi with their own vision.
GE-2(A)	Anuvaad-Vigyan	• To develop the concept of translation. • To develop the knowledge of translation. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of translation. • To prepare the students for pursuing research or careers in translation. • To make the bridges in between different languages, cultures and nationalities for the communal harmony.
GE-2(B)	Bharatiya Sahitya	• To develop the concept of Indian Literature. • To develop the knowledge of Indian Literature. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Indian Literature. • To prepare the students for pursuing research or careers in Indian

		Literature and it's allied fields. • To make the bridges in between different cultures/literatures and nationalities for the communal harmony.
DSE-4(A)	Adivaasi Vimarsh Aur Hindi Sahitya	• To develop the concept of Tribal discourse. • To develop the knowledge of Tribal discourse. • To sensitize the students regarding equality irrespective of race and democratic values through discourse. • To sensitize the students regarding environmental issues through the concerned discourse. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the concept and different theories of Tribal discourse in Hindi literature. • To prepare the students for pursuing research or careers in Tribal discourse in Hindi literature.
DSE-4(B)	Tulanatmak Sahitya	• To develop the concept of Comparative Literature. • To develop the knowledge of Comparative Literature. • To encourage the students for original thinking/thought/decision making. • To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing). • To prepare the students with skills to analyze the different aspects of Comparative Literature. • To prepare the students for pursuing research or careers in Comparative Literature in Hindi and it's allied fields. • To make the bridges in between different cultures/literatures and nationalities for the communal harmony.
SEC		